

माला साई नाम की

मैं तो करू यात्रा निस दिन चारो धाम की,
क्योंकी मेरे गले में पड़ी है माला साई नाम की,

साई का मैं पुजारी जाने ये दुनिया सारी,
उपकार मेरा उन पर उनका मैं हु अबहारी,
मेरे मन में वसी हिया छवि साई राम की,
मैं तो करू यात्रा निस दिन...

करता जो उनकी भक्ति हर दुःख से मिलती मुक्ति,
साई है मेरे स्वामी अद्भुत है उनकी शक्ति,
साई साई की रट है जी बड़े काम की,
मैं तो करू यात्रा निस दिन...

साई को जब पुकारा उस पल मिला सहारा,
पल भर में भाव से मुझको लक्खा मिला सहारा,
साई मूरत में है सुरत घनश्याम की,
मैं तो करू यात्रा निस दिन

<https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/4547/title/main-to-karu-yatra-nis-din-charo-dham-ki-kyuki-mere-gale-me-padi-hai-mala-sai-naam-ki->

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |